

ٹوپ کیا گیا۔

(مولانا محمد رمضان صاحب مفتی جامع عربیہ میانوالی۔)

آخر علم و عمل اور تقویٰ کے پیکر قہر ان فاری محدثیب صاحب کی وفات کا سن کر بڑا قلق ہوا۔ وہ صرف ایک علم فاضل نہیں تھے، انسان سماز تھے، انجمن تھے، ادارہ تھے اور ”دیوبند“ تھے۔

خدالان کو غریق رحمت کرے اور ان کے پیروں کاروں کو صہیر جمیل عطا فرمائے کیا یہ بہتر نہیں ہو گا کہ قہر ان فاری طیب صاحب پر ”الحق“ کا ایک اچھا اور مستند نیز نکالا جائے تاکہ اسلام پر حوالہ جاتی کتب میں ایک اور اچھی کتاب کا اضافہ ہو سکے جہاں سے شنکاں دیوبندی اپنی پیاس بجھا سکیں۔ محمد پولیش شامیں منکلو روٹا

\* حضرت مولانا افغانی صاحب رحمۃ اللہ علیہ کے وصال کی خبر سن کر نہایت صدمہ ہوا۔ ان کے وصال پر سب سے زیادہ تعریت کے متعلق آپ حضرات ہیں اس لئے کان کو دارالعلوم حقانیہ سے نہایت مجسم تھی۔ اور کئی بار جناب کی اور دارالعلوم کا تذکرہ نہایت محبت سے کرتے تھے۔ ان کے وصال پر اپنے مدرسہ خضریہ میں ختم کلام پاک کا ایصال ثواب کیا گیا اور تعریتی اجلاس بھی ہوا۔

(ترباب الاقدام جلال الدین بحیرہ)

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک

وضوف تم رکھنے کے لئے جوتے پہننا بہت  
ضروری ہے ہر مسلمان کی کوشش  
ہونی چاہیتے کہ اس کا وضو فاکم رہے۔

## سروس اندر سر بریز

پائیڈار۔ دلکش۔ موزوں اور  
ڈاچبی نرخ پر جوتے بناتی  
ہے



سروس سروس

فرم فرم جیبین فرم فرم آر آر